सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 350 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 31 जनवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

वह जो पचास लोगों से प्रेम करता है उसके पचास संकट हैं, वो जो किसी से प्रेम नहीं करता उसके एक भी संकट नहीं है।

–भगवान बुद्ध

सीएम केजरीवाल को मिली जान से मारने... 8 | और जोश से आगे की राह पकड़ेगी... 3 | आलोचना से सीख लेती हूं, नहीं... 7

बजट आम होगा या चुनावी!

कल खुलेगा पिटारा

विपक्ष को बहुत उम्मीद नहीं, सत्ता पक्ष ने कहा आमजन का रखेंगे ख्याल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को मोदी सरकार आखिरी संपूर्ण बजट पेश करेगी। इस बजट से आमजन को बहुत उम्मीद है। बजट में क्या होगा ये तो कल पता चलेगा। पर विपक्ष ने सरकार को घेरने का मना बना लिया। आज बजट सत्र का शुभारंभ राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू गया। बीआरएस, आप ने अभिभाषण का बहिष्कार किया है, जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कश्मीर में होने के चलते संसद भवन में मौजूद नहीं रहे। पर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी मौजूर रहीं। बजट पर विपक्ष को बहुत उम्मीद नहीं है।

विपक्ष के सभी दल कह रहे कि भाजपा सरकार जबसे आई है भारतीय अर्थव्यवस्था मुश्किल दौर से गुजर रही है। जबकि सत्ता पक्ष आर्थिक हालात सुधरने की बात कह रहा है। बजट बढ़ती ब्याज दरों और और धीमी वैश्विक वृद्धि के बीच आ रहा है, ऐसे परिस्थिति में ज्यादा लोकलुभावन बजट बनाने से वे परहेज कर सकते हैं। ब्लूमबर्ग सर्वेक्षण में अर्थशास्त्री राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 5.9 प्रशित तक सीमित करते हुए देखते हैं। इससे पहले यह 6.4 प्रशित था। माना जा रहा है कि यह अगला वर्ष भी रिकॉर्ड उधारी की आवश्यकता से भरा होगा। भारत की बेरोजगारी दर पिछले महीने 16 महीने के उच्च स्तर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के लिए रोजगार पैदा करने की चुनौती को रेखांकित करती है। अर्थशास्त्री का मानना है कि इस साल के 730 अरब रुपये (9 अरब डॉलर) के आवंटन में ग्रामीण नौकरी की गारंटी पर खर्च सबसे ऊपर हो सकता है, साथ ही फसल बीमा, ग्रामीण सड़क बुनियादी ढांचे और कम लागत वाले आवास पर भी ध्यान दिया जा सकता है।

आज बजट सत्र का शुभारंभ राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू हुआ

इंडिया फर्स्ट सिटिजन फर्स्ट की भावनारुप होगा बजट : मोदी

पीएम मोदी ने साथ ही कहा कि उनकी सरकार इंडिया फर्स्ट सिटिजन फर्स्ट के भावना के साथ काम करती है। उन्होंने कहा कि इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए बजट भी होगा। पीएम के इस इशारे से माना जा रहा है कि वित्त मंत्री बजट में आम लोगों के लिए कुछ बड़ी घोषणा कर सकती हैं। माना जा रहा है कि इस बार के बजट में टैक्स स्लैब में भी बदलाव हो सकता है।

इकोनॉमिक सर्वेः 2023-24, 3 साल में सबसे धीमी ग्रोथ

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बजट सत्र के दौरान इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। सर्वे में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट 6.5 प्रतिशत का अनुमान लगाया गया है। यह पिछले 3 साल में सबसे धीमी ग्रोथ होगी। वहीं नॉमिनल जीडीपी का अनुमान 11प्रतिशत लगाया गया है। वित्त वर्ष 23 के लिए रियल जीडीपी अनुमान 7 प्रतिशत है। सर्वे में कहा गया है कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। सर्वे में जीडीपी , महंगाई दर अनुमान, विदेशी मुद्रा भंडार और व्यापार घाटे की जानकारी शामिल होती हैं।

समाज के बीच बढ़ी है आर्थिक खाई

उधर आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना हैं समाज कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों में उचित आवंटन होना चाहिए। क्योंकि जिनके पास है और जिनके पास नहीं है के बीच में गहराई बढ़ी है। मुद्रास्फीति ने खर्च करने की शक्ति को कम कर दिया है और कर में राहत उपभोग की मांग को बहुत जरूरी बल प्रदान कर सकती है। एक्सपर्ट का कहना है आम चुनावों से पहले कर में कटौती, व्यापक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्ता और उत्पादन को और बढ़ावा देने की उम्मीदों के रूप में केंद्रीय बजट 2023 को पेश किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश के विशाल मध्यम वर्ग को राहत देने और ग्रामीण नौकरियों जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से गरीबों पर खर्च बढ़ाने के लिए आयकर स्लैब में बदलाव कर सकने की बातें कही गई हैं।

आप-बीआरएस ने राष्ट्रपति के अभिभाषण का किया बहिष्कार

चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार किया। भारत राष्ट्र समिति के राज्य सभा में नेता के केशवा राव का कहना है कि केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार प्रशासन के सभी मोर्चों पर विफल रही है। आप पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उनकी कुर्सी का सम्मान करते हुए, हम संसद की संयुक्त बैठक का बहिष्कार करते हैं क्योंकि केंद्र सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा है कि श्रीनगर एयरपोर्ट पर हुई फ्लाइट में देरी के चलते कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कई सांसद भी अभिभाषण में शामिल नहीं हो पाएंगे।

एक तरफ प्रेम की बात कह रहे और दूसरी तरफ भगा रहें : कुशवाहा

» नीतीश पर जमकर हमला बोला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की सियासत में इन दिनों सीएम नीतीश कुमार और दिग्गज नेता उपेंद्र कुशवाह की तल्खियों की खबर जमकर सुर्खियां बटोर रही है। जदयू के दिग्गज नेता उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश पर जमकर हमला बोला। उन्होंने भावनात्मक हमला करते हुए कहा कि अगर नीतीश कहते हैं कि वह स्नेह करते हैं तो वह एक तरफ प्रेम की बात कह रहे और दूसरी तरफ भगा रहे हैं।

पार्टी की मजबूती के लिए कुछ नहीं हो रहा

पार्टी की मज़बूती के लिए कुछ नहीं हो रहा हैं। दो साल में संसदीय दल के कमिटी का मनोनयन तक नहीं किया। व्यक्तिगत रूप से संसदीय दल का अध्यक्ष होने के बाद भी कभी भी किसी उम्मीदवार के चयन में मुझसे सलाह तक नहीं ली गई जबकि संसदीय बोर्ड की भूमिका होती हैं. इसी के साथ उन्होंने कहा कि हमारे सुझाव पर पार्टी ने कभी अमल नहीं किया गया. यहां तक कि मेरी बातो का खंडन राष्ट्रीय अध्यक्ष या नीतीश जी कर सकते हैं। इससे पहले उपेंद्र कुशवाहा ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य के भोजपुर जिले में उनकी कार पर पथराव किया गया. राज्य विधान परिषद के सदस्य कुशवाहा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कुमार और बिहार पुलिस को टैग करते हुए यह आरोप लगाया. कुशवाहा ने इस बारे में ट्वीट करते हुए बताया था, ''भोजपुर जिले के जगदीशपुर में नयका टोला मोड़ के पास से गुजर रहे काफिला में शामिल मेरी गाड़ी पर कुछ असामाजिक तत्वों ने अचानक हमला कर दिया, पत्थर फेंका. सुरक्षाकर्मियों के दौड़ाने पर सभी भाग गये। कुशवाहा ने राज्य की राजधानी लौटने पर दावा किया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि हमला किसने किया और हमलावरों का मकसद क्या था।

उन्होंने कहा कि संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एक झुनझुना जैसा था क्योंकि संसदीय बोर्ड के लिए कोई अधिकार पार्टी के संविधान में नहीं था। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने हिस्सा नहीं दिया, यह हिस्सा वही है जो लालू यादव से साल 1994 में मांगा था। आज वही हिस्सा हम नीतीश कुमार से मांग रहे हैं। विधान परिषद का सदस्य मेरे लिए लॉलीपॉप हैं। हम हिस्सा लेंगे ऐसे नहीं जाने वाले हैं।

भाजपा राज में निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं : अखिलेश

» एमएलसी स्नातक व शिक्षक खंड मतदान प्रभावित करने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के राज में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान संभव नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि विधान परिषद खंड स्नातक तथा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए हुए मतदान को भाजपा ने प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। मतदान केंद्रों में भाजपा के नेताओं की धांधली रोकने में पुलिस प्रशासन का दिलचस्पी न लेना लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। इस संबंध में पार्टी की ओर से चुनाव आयोग को ज्ञापन भेजा गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विधान परिषद खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र बरेली-मुरादाबाद के जिले बदायूं के बूथ नगरपालिका परिषद बिल्सी पर सपा कार्यकर्ता चेतन यादव को बूथ एजेंट नहीं बनने दिया गया। मतदान अधिकारी ने बूथ एजेंट बनाने से यह कहकर मना कर दिया कि आप यादव हो, इसलिए आपको एजेंट नहीं बनाया जा सकता है। कहा कि विधान परिषद के लिए शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र इलाहाबाद-झांसी के जालौन में मतदान केंद्र राजकीय बालिका इंटर कॉलेज स्टेशन रोड उरई पर भाजपा नेता पूर्व सांसद घनश्याम अनुरागी द्वारा पुलिस प्रशासन की मिलीभगत से गड़बड़ी की गई। आरोप लगाया कि झांसी- इलाहाबाद शिक्षक खंड में चित्रकूट के पहाड़ी ब्लॉक के प्रमुख सुनील द्विवेदी ने मतदान को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह अन्य जिलों में भी मतदान को प्रभावित किया गया है। मामलों में सपा अध्यक्ष की ओर से प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली को ज्ञापन भेजा है। मांग की है कि भाजपा और पुलिस प्रशासन द्वारा विधान परिषद खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान में की गई अनियमितता की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। सपा अध्यक्ष एवं नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पिछड़ों और दलितों की विरोधी है। इस सरकार को जातिगत जनगणना से डर लगता है।

पिछड़ों व दलितों की विरोधी है भाजपा

यह पिछड़ा, दलित व शोषित वर्ग को हक और सम्मान नहीं देना चाहती। सपा जातीय जनगणना का मामला सदन में उठाएगी। अखिलेश ने कहा कि डीजल, पेट्रोल और गैस के बाद आटा और इससे बने उत्पादों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। सब कुछ महंगा होने से गरीब और मध्यम वर्ग के लिए जीवनयापन करना मुश्किल हो गया है। महंगाई रोकने में विफल भाजपा बेरोजगारी पर बात नहीं करती है। इस सरकार की नीतियां पूंजीपतियों और अमीरों का हित साधने की है। गलत नीतियों के चलते कई आर्थिक संस्थाएं संकट में हैं। शेयर मार्केट लगातार गिर रहा है। इस सरकार में अन्याय बहुत बढ़ गया है। सच्चाई दिखाने वालों पर भी झूठे मुकदमे दर्ज हो रहे हैं।

यूपी से भाजपा का करेंगे सफाया : शिवपाल यादव

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य भाजपा को हराना है। अभी उसका यूपी से सफाया करेंगे, इसके बाद पूरे देश से। इसके लिए समाजवादी नेताओं को एकजुट करेंगे। सपा नेता ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। हम सभी धर्म एवं ग्रंथ का सम्मान करते हैं और हर धर्म को मानते हैं। किसी की आस्था को चोट नहीं पहुंचाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा धर्म के नाम पर राजनीति करती है और लोगों को बांटने का काम करती है, जो गलत है। राजनीति के लिए समाज को बांटना नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। नई जिम्मेदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह हमेशा संगठन में सक्रिय रहे हैं। राष्ट्रीय महासचिव का पद बहुत जिम्मेदारी का है। इसे पूरी तन्मयता से निभाएंगे। सपा को राष्ट्रीय पार्टी बनाएंगे।

महिलाओं-शूद्र समाज के सम्मान की बात करना अपराध नहीं : स्वामी प्रसाद

» भाजपा को नेस्तनाबूत करने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट किया कि हर असंभव कार्य को संभव करने की नौटंकी करने वाले एक धाम के बाबा की धूम मची है। सबसे सशक्त पीठ के महंत होने के बावजूद सिर तन से जुदा करने के लिए सुपारी दे रहे हैं। श्राप देकर भी तो भस्म कर सकते थे। उनका 21 लाख रुपया भी बचता और असली चेहरा भी बेनकाब न होता।

राजनीतिक गहमागहमी के बीच स्वामी ने नई जिम्मेदारी के सवाल पर कहा कि वह सपा के साथ हैं। भाजपा को नेस्तनाबूत करने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। रिपोर्ट दर्ज होने के मामले में कहा कि महिलाओं और शूद्र समाज के सम्मान की बात करना, आपत्तिजनक टिप्पणी को हटाने की मांग करना अपराध नहीं है। सरकार के दबाव में रिपोर्ट दर्ज हुई है, लेकिन न्यायालय पर पूरा भरोसा

है। वहीं, रामचरित मानस पर उनके बयान पर सपा के कई विधायकों ने पहले तो समर्थन और विरोध किया। लेकिन रविवार को स्वामी प्रसाद को राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने के बाद विरोध करने वालों ने अब चुप्पी साध ली है।

स्वामी ने अपनी बेटी और भाजपा सांसद संघमित्रा को लेकर आ रहे बयानों पर कहा कि यह भाजपा को तय करना है। इस सवाल का जवाब वही देगी। संजय निषाद के बयान पर स्वामी ने कहा कि वह पहले अपने गिरेबां में झांके। उनका कद नहीं है कि उनके सवालों का जवाब दिया जाए।

शिंदे गुट ने मांगा शिवसेना का दफ्तर

» संसद में असली शिवसेना के रूप में मान्यता भी मिले: सांसद राहुल शिवाले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बजट सत्र से एक दिन पहले हुई राजग की बैठक में शिवसेना के शिंदे गुट ने आगे की सीट अपने लिए तय करने व संसद भवन स्थित शिवसेना के दफ्तर पर अधिकार दिलाने की मांग की। इस गुट ने लोजपा विवाद की तर्ज पर लोकसभा में शिंदे गुट को शिवसेना के रूप में मान्यता देने की भी मांग की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरमौजूदगी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की।

शिंदे गुट के सांसद राहुल रमेश शिवाले ने कहा, पार्टी के दो तिहाई से अधिक सांसद उनके साथ हैं। ऐसे में इस गुट को न सिर्फ असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी जाए, बल्कि संसद भवन में शिवसेना के कार्यालय पर अधिकार भी दिया जाए। शिवाले ने कहा, संसदीय दल के नेता के रूप में आरक्षित आगे की सीट पर भी इस गुट को अधिकार दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि शिवसेना में अधिकार की जंग का मामला अभी चुनाव आयोग में विचाराधीन है। शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट पार्टी पर अपना दावा जता रहे हैं।

देशभर के दलितों को करेंगे एकजुट : रामदास अठावले

केंद्रीय मंत्री और आरपीआई के मुखिया रामदास अठावले ने प्रधानमंत्री मोदी को देश का गौरव बताया। उन्होंने कहा, वह मोदी को फिर से पीएम चुनने के लिए देशभर के दलितों को एकजुट करने की मुहिम जल्द ही शुरू करेंगे। इसके तहत उनकी पार्टी देश भर में पीएम के समर्थन में प्रचार भी करेगी।

तमिलनाडु में एआईएडीएमके भाजपा के साथ : थंबीदुरई

करीब सवा घंटे चली बैठक में एआईएडीएमके के एम थंबीदुरई ने कहा, तमिलनाडु में पार्टी भाजपा के साथ खड़ी है। लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए भाजपा और एआईएडीएमके को अभी से मिल कर तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। इस दौरान थंबीदुरई में संसद की स्टैंडिंग कमेटी में पार्टी की भागीदारी को पूर्व की तरह बरकरार रखने की भी मांग की।

नाम बदलने से क्या होगा : शफीकुर्रहमान

» बोले-नफरत फैला रही है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

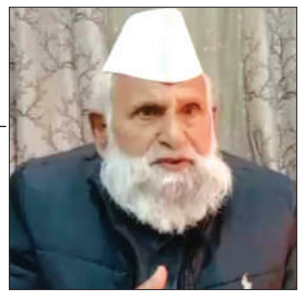

संभल । मुगल गार्डन का नाम अमृत उद्यान रखे जाने पर संभल के सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा है कि वह अभी भी मुगल गार्डन को मुगल गार्डन ही मानते हैं। उसका नाम बदलने से क्या होगा। सांसद ने मुगलों द्वारा निर्माण कराए गए किले, महल और ताजमहल का भी हवाला दिया है। साथ ही भाजपा सरकार पर नफरत फैलाने का आरोप लगाया।

सांसद संभल नई तहसील पर एमएलसी के लिए मतदान करने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान मीडिया कर्मियों से बातचीत की। मीडिया कर्मियों ने मुगल गार्डन के नाम बदलने पर राय जानी तो सांसद ने कहा कि नाम बदलने से क्या होगा। मुगल गार्डन को जहन (दिमाग) से कैसे निकालोगे। वह लोगों के जहन में है और उसको बदलने से कोई फायदा नहीं है। कहा कि भाजपा सरकार नफरत फैलाने का काम कर रही है। सांसद ने आगे कहा कि मुगलों ने देश में किले, महल, ताजमहल का निर्माण कराया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

और जोश से आगे की राह पकड़ेगी कांग्रेस

2024 लोक सभा चुनाव में भारत जोड़ो यात्रा से मिलेगा लाभ

» यात्रा ने पूरे देश में जगाया जोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा बापू के शहादत दिवस के दिन श्रीनगर में पहुंचकर समाप्त हो गई। हालांकि कांग्रेस व स्वयं राहुल गांधी ने कहा कि यात्रा का पहला चरण पूरा हुआ है अब यात्रा का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। इस घोषणा के बाद एक बात तो तय है कि भारत जोड़ों यात्रा के दौरान जनता के मिले अपार समर्थन से राहुल गांधी व कांग्रेस दोनो गदगद हैं। इसलिए वह इस समर्थन को बरकरार रखने के लिए इसे आगामी लोक सभा चुनाव तक इस तरह के आयोजन करते रहेंगे। इसमें कोई संशय नहीं कि भारत जोड़ो यात्रा का आगामी चुनाव में लाभ मिलेगा। लाभ कितना मिलेगा ये तो चुनावों के बाद ही पता चलेगा। पर कांग्रेस व राहुल की इस यात्रा में जुट रही भीड़ को देखकर भाजपा घबरा गई है। वह कांग्रेस पर देश को तोड़ने का आरोप लगाकर उसको घेरने की कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहेगी।

7 सितंबर 2022 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई 'भारत जोड़ो यात्रा' 12 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों से गुजरी। कड़ाके की ठंड में सफेद टीशर्ट पहने कन्याकुमारी से कश्मीर चले राहुल गांधी की यात्रा पूरी हो गई है। कांग्रेस नेता ने 29 जनवरी को श्रीनगर के मशहूर लाल चौक पर तिरंगा फहराया। 4,000 किमी की यात्रा कई पड़ावों से होकर गुजरी। केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और पंजाब से होते राहुल के साथ कांग्रेस समर्थकों की भीड़ जम्मू-कश्मीर पहुंची। करीब पांच महीने के दौरान बीच में कई ऐसे मौके आए, जब यात्रा को स्थगित भी करना पड़ा। गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव के बावजूद राहुल गांधी का पूरा फोकस यात्रा पर दिखा। हिमाचल में प्रियंका गांधी जरूर एक्टिव दिखीं। राहुल ने गुजरात में केवल दो रैलियां की थीं। उनके साथ खेल, फिल्म, राजनीति समेत कई क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियां पैदल चलती दिखीं। कभी उनके सफेद टी-शर्ट की बात होती, कभी उस हस्ती की जो उनके साथ सड़क पर होती। मीडिया में राहुल छाए रहे लेकिन अब आगे क्या? इसी साल 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल 2024 का आम चुनाव है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि राहुल ने अपनी पद यात्रा से कार्यकर्ताओं, समर्थकों और वोटरों में जो उत्साह पैदा किया है, क्या उसे मतदान केंद्र तक बनाए रखा जा सकेगा? राहुल गांधी ने श्रीनगर में लाल चौक के ऐतिहासिक घंटाघर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया है। स्थानीय लोगों की मानें तो रविवार को सुरक्षा व्यवस्था ऐसी थी, जैसी आमतौर पर प्रधानमंत्री के दौरों में देखने को मिलती है। लाल चौक की तरफ जाने वाली एक किमी के दायरे की सभी सड़कें शनिवार रात से ही सील थीं।

सुधरेगी राहुल की छवि

राहुल गांधी की यात्रा का विश्लेषण चारों ओर हो रहा है। एक आम धारणा यह बनी है कि इससे कांग्रेस पार्टी की बदहाल होती स्थिति को थोड़ा मजबूती मिली है। सबसे महत्वपूर्ण बात राहुल गांधी की इमेज सुधरी है। हालांकि मिशन 2024 की तैयारियों में जुटी कांग्रेस पार्टी के सामने कई चुनौतियां हैं। कांग्रेस अगर आम चुनाव में भाजपा को चुनौती देना चाहती है तो उसे संगठन में फिर से जान फूंकनी होगी, जो लीडरशिप संकट से गुजर रहा है। वोटरों में भरोसा फिर से पैदा करना होगा। कांग्रेस पार्टी को हिंदुत्व के एजेंडे पर बढ़ रही भाजपा से मुकाबले के लिए एक राजनीतिक नैरेटिव तैयार करना होगा जिससे उसे चुनाव में फायदा मिले। कुछ ऐसे मुद्दों से दूरी बनानी होगी जिससे चुनावी नुकसान हो सकता है। जैसे-जैसे चुनाव करीब आते हैं पिछले कुछ वर्षों में ऐसा देखा गया है कि पार्टी के नेता अपनी बयानबाजी से मुसीबत खड़ी कर देते हैं। पिछले दिनों आपने देखा भी होगा कि कैसे दिग्विजय सिंह को लाइव रिपोर्ट के दौरान जयराम रमेश ने रोक दिया था।

विपक्ष को एक जुट करेगी कांग्रेस

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कई प्रमुख क्षेत्रीय नेता 2024 में भाजपा को चुनौती देने के लिए विपक्षी एकता की कोशिश करते दिखे। लेकिन कांग्रेस के लिए चिंता की बात यह है कि इस विपक्षी गुट में उसकी पोजीशन अनिश्चित है। उधर, ममता बनर्जी और के. चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस के बगैर फ्रंट बनाने के संकेत दिए हैं। हालांकि शरद पवार जैसे दिग्गज नेता ने सहयोगी के तौर पर कांग्रेस को साथ रखने की वकालत की है। सियासी गलियारे में एक चर्चा यह भी है कि यात्रा का प्रभाव दिख सकता है और संयुक्त विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस बड़ा प्लेयर बनकर उभर सकती है। दरअसल, पार्टी के कई दिग्गज नेता यह नरैटिव सामने रख रहे हैं कि 2024 में कांग्रेस पार्टी ही भाजपा को चुनौती दे सकती है। ऐसे में किसी भी विपक्षी गठबंधन का आधार कांग्रेस ही रहने वाली है। हाल में वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस के बगैर कोई भी गठबंधन प्रासंगिक या सार्थक साबित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यात्रा के बाद कांग्रेस 2024 में भाजपा को फाइट देने के लिए विपक्षी दलों का गठबंधन बनाने के लिए आगे बढ़ेगी। जयराम ने कहा कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और निजी लक्ष्यों से कांग्रेस पार्टी को काफी नुकसान हुआ है और 'भारत जोड़ो यात्रा' सामूहिक उद्देश्य की भावना लेकर आई है। शायद उनका इशारा पार्टी छोड़कर भाजपा या दूसरी पार्टी में गए नेताओं की तरफ था। जयराम ने कहा कि कांग्रेस को 2029 के आम चुनाव में हर राज्य में अपने दम पर लड़ने की तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इस साल पोरबंदर से अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुंड तक यात्रा निकालने पर पूरा जोर दूंगा, लेकिन अंतिम फैसला पार्टी को करना है।

सियासी माहौल पर भी पड़ेगा भारत जोड़ो यात्रा का असर

» लाभ के हिसाब जुड़ने या न जुड़ने का किया राजनैतिक दलों ने फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल की यात्रा में आशानुरुप कई दल नही पहुंचे। कुछ ने दूरी बनाया तो कुछ मौसम की खराबी से भी वहां नहीं पहुंच पाए। भारत जोड़ो यात्रा के समापन कार्यक्रम के लिए कांग्रेस ने 21 दलों के नेताओं को न्योता दिया था। इनमें से 12 दलों ने इस कार्यक्रम में आने की सहमति दी थी। वहीं, नौ दलों ने इससे दूरी बना ली थी। हालांकि, खराब मौसम की वजह से कुछ ही दलों के नेता कश्मीर पहुंचे। राहुल गांधी के नेतृत्व में 134 दिन चली कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में समापन हुआ। इस समापन समारोह में शामिल होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टीएमसी, जेडीयू, शिवसेना, टीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, सीपीआई, सीपीएम, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल सहित 21 दलों के अध्यक्षों को निमंत्रण दिया गया था। पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, डीएमके, आरएलडी, आईयूएमएल, आरएसपी और जेडीएस भी इसमें शामिल थे।

डीएमके, फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, महबूबा मुफ्ती की पीडीपी, विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), आईयूएमएल, केरल कांग्रेस, सीपीआई, आरएसपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे दल इस यात्रा में शामिल थे।

कुछ दलों से कांग्रेस ने बनाई दूरी

इन दलों से कांग्रेस की दूरी की एक्सपर्ट अलग-अलग कारण बताते हैं। जैसे- एआईएडीएमके को न्योता नहीं देने का कारण तमिलनाडु में कांग्रेस का डीएमके से गठबंधन रहा। राज्य में सत्ताधारी डीएमके और कांग्रेस गठबंधन में हैं। डीएमके और एआईडीएमके के बीच छत्तीस का आंकड़ा है। ऐसे में कांग्रेस ने एआईएडीएमके से दूरी रखी। वाईएसआर कांग्रेस और बीजेडी समय-समय पर केंद्र का समर्थन करती रही हैं। वाईएसआर कांग्रेस आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की जमीन पर बढ़ी है। वहीं, बीजेडी का ओडिशा में कांग्रेस से मुकाबला रहा है। ओवैसी की पार्टी और एआईयूडीएफ से दूरी के पीछे की वजह एक्सपर्ट दोनों दलों की धर्म आधारित राजनीति से दूरी को वजह बताते हैं।

भारी बर्फबारी के बीच हुए समापन कार्यक्रम में उमर अब्दुल्ला ने कहा कि देश को वास्तव में इस यात्रा की जरूरत थी। राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि आज, पूरा देश राहुल गांधी में आशा की किरण देख सकता है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि आज जो राजनीति देश में चल रही है उससे देश का भला नहीं होगा, ये तोड़ने-बांटने, नफरत की राजनीति है। समापन समारोह में आने के लिए शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड), सीपीएम ने हामी भरी थी। हालांकि, खराब मौसम की वजह से इन दलों के नेता यहां नहीं पहुंच सके।

भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में कई बड़े विपक्षी दल शामिल नहीं हुए। इनमें अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), बसपा, आम आदमी पार्टी जैसे दल शामिल थे। एक्सपर्ट कहते हैं कि इन दलों के इस कार्यक्रम में शामिल होने के उम्मीद थी भी नहीं। टीएमसी से लेकर आप तक के नेता खुद को प्रधानमंत्री पद के दौड़ में रखना चाहते हैं। इनमें से ज्यादातर दल कांग्रेस की जमीन पर ही बढ़े हैं। कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से दिए गए न्योते में विपक्ष के पांच दल शामिल नहीं थे। इनमें एआईएडीएमके, जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस, नवीन पटनायक की बीजेडी, ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और एआईयूडीफ शामिल थीं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बापू के विचार आत्मसात करने की जरूरत

पूरे देश ने 30 जनवरी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 75वें पुण्यतिथि उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देकर उनको याद किया। देश को आजाद कराने में बापू का योगदान अमूल्य है। आजादी के बाद राष्ट्रपिता के विचारों से प्रेरित होकर भारत के तत्कालीन नीति नियंताओं ने संविधान में उन बातों को शामिल किया जिसे महात्मा गांधी हमेशा कहते थे। उनके तीन विचार सत्य, अंहिसा व प्रेम थे। गांधी जी एक ऐसे भारतवर्ष का निमार्ण करना चाहते थे जिसमें सभी धर्मों के लोग मिलजुल कर रहे। उनकी इसी मंशा के अनुरुप देश के संविधान में धर्मनिरपेक्ष शासन की व्यवस्था का आधार दिया गया। इस व्यवस्था में देश में हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, पाररसी, जैन व बौद्ध सभी को एक साथ रहने की आजादी दी गई। सभी को अपनी बात कहने,पूजा करने की स्वतंत्रता दी गई। पर कुछ सालों में देखने को मिल रहा है देश मूल स्वरुप को नुकसान पुहंचाने की कोशिश की जा रही है।

महात्मा गांधी कहते थे, उनका जीवन ही संदेश है। उनके जीवन के कुछ प्रसंगों के बहाने हम जान और समझ सकते हैं महात्मा की संकल्प शक्ति और आत्मसंयम को बहुत महत्व देते थे। गांधी चाय के शौकीन हुआ करते थे और एक दिन उनके एक मित्र ने उनसे कहा कि चाय तो उत्तेजक पदार्थ है और इसका टैनिन शरीर के लिए अच्छी चीज नहीं, तो फिर वे क्यों इसे लेते हैं? गांधी जी ने बिना देरी किए उसी क्षण से चाय पीना छोड़ दिया। एक दूसरा प्रसंग अमेरिकी लेखक लुई फिशर की गांधी जी पर लिखी जीवनी से है। इसके अनुसार, मई 1942 की प्रचंड गर्मी में वह गांधी जी के साथ उनके सेवाग्राम आश्रम में ठहरे थे। फिशर ने उनके साथ बगैर नमक का खाना खाया और जब उन्हें थोड़ी परेशानी हुई तो गांधी जी ने उनसे कहा कि वे चाहे तो उसमें नींबू मिला सकते हैं, पर खाने का स्वाद मर जाएगा। इस पर फिशर ने मजाक में उनसे कहा, गांधी जी, आप इतने अहिंसक हैं कि स्वाद को भी मारना नहीं चाहते! गांधी जी जब 21 दिन के उपवास पर होते थे, तो अंग्रेज शासक हैरत में पड़ जाते और इस बात की जांच के लिए विशेषज्ञों को बुलवाया जाता था कि आखिर एक बेहद दुबला-पतला सा दिखने वाला कोई शाकाहारी इंसान भला 21 दिन तक बगैर भोजन के कैसे रह सकता है! यहूदी वास्तुकार हरमन केलेनबाख दक्षिण अफ्रीका में 1903 से 1914 के बीच गांधी जी के संपर्क में थे और इस बीच गांधी जी के सान्निध्य में रहते हुए हरमन की जीवन शैली में आमूल चूल बदलाव आया। हरमन बहुत शौकीन इंसान थे और तब के समय में उनका हर महीने का खर्च था करीब 1200 रुपये। गांधी जी से मित्रता के बाद उनका खर्च घट कर करीब 120 रुपये प्रति माह हो गया! ऐसा था महात्मा की संगत का असर! ये कुछ ऐसी बाते हैं जो गांधी की महानता को प्रकट करती हैं।

2023 में सभी को संकल्प लेना होगा कि केवल गांधी के जन्मदिन व पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित करने से ही उनके विचारों का प्रभाव नहीं पड़ेगा। बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है। ये वक्त की भी मांग है कि देश में भाईचारा व मोहब्बत बनी रहे ।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप संवाद की जरूरत

गुरबचन जगत

मीडिया में खबरें भरी पड़ी हैं- छोटी और बड़ी, लोगबाग सड़कों पर निकलकर प्रदर्शन-धरने कर रहे हैं, जुलूस निकाल रहे हैं, नारेबाजी हो रही है, पर्चे बांटे जा रहे हैं, यह सब इसलिए कि किसी तरह प्रशासन-सरकार उनकी शिकायतें सुन ले। साधारणत: आम आदमी सड़कों पर आकर यह सब करने को राजी नहीं होता क्योंकि उसके लिए यह अपना कीमती वक्त और प्रयास बेकार करने जैसा है, जिसका उपयोग दो जून की रोटी कमाने में करना ज्यादा जरूरी है। लेकिन जब निंविकार बना प्रशासन उनकी समस्याओं का निवारण करना तो दूर, सुनने तक को राजी न हो तो और चारा भी क्या बचता है? समस्या चाहे पंचायत स्तर की मामूली हो या फिर राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर की, आम आदमी के लिए सड़क पर आने का विकल्प ही बचा है।

हरियाणा में महिला पहलवानों का उदाहरण नवीनतम है, जिन्हें भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष द्वारा किये गए कथित अनुचित यौन दुर्व्यवहार के विरुद्ध अपनी आवाज सार्वजनिक तौर पर उठाने के लिए दिल्ली के जंतर-मतर पर धरना देना पड़ा है, उनके समर्थन में पुरुष पहलवान भी शामिल हुए। इनमें वे पहलवान भी हैं, जिन्होंने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है और सरकार ने सम्मानित किया है। सरकार ने कुछ दिनों तक अनिर्णय में रहने के बाद अपने खेल मंत्री की मार्फत दखलअंदाज़ी की और लंबी चली वार्ताओं के बीच जांच का हुक्म आया। क्यों नहीं यह सब तुरंत उसी वक्त किया गया? राष्ट्रीय स्तर की महिला खिलाड़ी बिना बात किसी की यौन-शोषण की शिकायत नहीं करती, खासकर जब आरोपी केंद्र में शासन करने वाली पार्टी से जुड़ा सांसद और कुश्ती संघ के अध्यक्ष जैसा ताकतवर व्यक्ति हो। आरोप लगाने के बाद उक्त अध्यक्ष महोदय ने जिस तरह सार्वजनिक तौर पर व्यवहार किया, आग उगलने वाले वक्तव्य दिए यहां तक कि महत्वपूर्ण लोगों के खिलाफ सुनामी लाने की छिपी धमकी तक दे डाली। अंतत: वे उस वक्त घुटनों पर आये, जब एक जांच कमेटी बनाई गई, हालांकि सरसरी तौर पर देखने पर यह राजनीतिक ज्यादा है।

इतना ही नहीं, हरियाणा के खेल मंत्री पर भी यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगे हैं। इस दफा भी, हरियाणा सरकार द्वारा ठोस कार्रवाई न किए जाने के कारण मामला हफ्तों तक लटकता रहा। अब जब खापें मैदान में उतर आई हैं तो मुझे यकीन है सरकार को कुछ करना ही पड़ेगा। इससे इनकार नहीं, दोनों मामलों में सरकार की ओर से देरी के पीछे की वजह राजनीतिक कारणों से है। अव्वल

तो, भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद पर कोई राजनेता क्यों हो, चाहे यह हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, एथलैटिक्स इत्यादि कोई भी खेल संघ हो, उसके राज्य या राष्ट्रीय स्तर का अध्यक्ष या बड़े ओहदे पर कोई नेता क्यों हो? मैं तो सोचता हूं कि यदि गुल्ली-डंडे का भी कोई संघ होता तो अवश्य ही उस पर भी कोई नेता काबिज होता! अस्पताल प्रशासन की तरह खेल प्रशासन में भी विशेषज्ञता होना जरूरी है और यूनिवर्सिटियों में इनको लेकर बाकायदा कोर्स करवाए जाते हैं। पर नेताओं को खेल संघों का अध्यक्ष बनाने के पीछे वजह एकदम सरल है- बात खिलाड़ी चुनने की हो या खेल सामग्री खरीदने की, अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके चीजें घुमाना और चोखा पैसा बनाना। जो भी है, उम्मीद करें कि जांच कमेटी न्याय प्रदान करेगी। काफी गंदगी सार्वजनिक हो चुकी है, महिला खिलाड़ियों के द्वारा आगे नागवार रहस्योद्घाटन करने की नौबत न ही बने तो अच्छा। यही वक्त है कि सरकार खेल प्रशासन को लेकर शुचितापूर्ण नजरिया रखे और एक नयी नीति बनाकर समुचित कामकाज सुनिश्चित करवाए, जिससे कि खेल जगत में भारत के लिए अपनी अधिकारपूर्ण जगह बनाना आसान हो। जिन अन्य मुद्दों पर लोगों को अपनी पुरानी और नयी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ा है, बात उनकी करें तो किसान फिर से उतने विशाल स्तर का आंदोलन चलाने की योजना बना रहे हैं जितना 2020 में हुआ था, क्योंकि उनका दावा है कि भारत और सूबा सरकारों ने जिन मांगों को स्वीकार किया था, उनपर अमल नहीं किया है। पिछला आंदोलन ऐतिहासिक था, जो लंबे समय चला, जिसमें विभिन्न राज्यों के किसानों ने भाग लिया और विभिन्न स्तरों पर चली लंबी वार्ताओं के बाद समझौता बन पाया था।

यह सरकार की जिम्मेवारी है कि किसानों को न्यौता देकर मामला हल करे न कि हालात ऐसे बनने दे कि किसानों को मजबूरन फिर से आंदोलन की राह पकड़नी पड़े। सत्ता पक्ष या विपक्ष दोनों के सांसद अब राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर उतने ही अंधेरे में हैं जितने आप या मैं। अगर कहीं बहसें होती हैं तो वह है, टीवी चैनलों के स्टूडियो में बैठे एंकरों, राष्ट्रीय दलों के तीजे-चौथे दर्जे के प्रतिनिधियों और तथाकथित विशेषज्ञों के बीच। हर कोई अपने अड़ियल रुख पर कायम और अर्थपूर्ण बहस के लिए कोई जगह नहीं।

अरे, अब अंधविश्वास भी मेड इन चाइना

चीनी राशियों के हिसाब से हर व्यक्ति के जन्म के आधार पर कोई न कोई जानवर उसकी राशि का प्रतीक होता है। साथ ही यह भी बताया कि अगर कोई खरगोश राशि वाला व्यक्ति हुआ तो 2023 उसके लिए अपशगुनी माना जाएगा। इत्तेफाक से भारतीय मित्र की भी राशि चीनियों के हिसाब से खरगोश ही थी। अब चीनी भाई उसे डराने लगा कि अगर उसने चीन के मंदिरों में जाकर चीनी टोटके न किए तो उसका कुछ न कुछ नुकसान जरूर हो जाएगा।

सद्धद्धस

जां निसार अख़्तर का शेर है-

हर-चंद ए'तिबार में धोके भी हैं मगर।
ये तो नहीं किसी पे भरोसा किया न जाए।।

भरोसा, भक्ति या विश्वास सब अच्छा है। पर यह सच है कि धोखा, फरेब और विश्वासघात भी वहीं होता है- जहां ये तीनों हों। गैर वाजिब भरोसा, अंधभक्ति और जरूरत से ज्यादा विश्वास हमेशा से बहस के सबब रहे हैं। अपने देश में ही देख लीजिए। राजनीतिक विचारों, धर्म, मजहब, संप्रदाय, जाति और कुनबे के आधार पर लोग कितने ज्यादा बंटे हुए हैं। सबका अपना-अपना भरोसा होता है। अपने आराध्य या आदर्श की भक्ति करना, विश्वास करना अपनी-अपनी पसंद पर आधारित है। जिस तरह से कहा जाता है कि भरोसे या विश्वास पर दुनिया कायम है। उसी तरह दुनिया जबसे कायम है, तभी से तरह-तरह के अंधविश्वास भी हैं।

आजकल भांति-भांति प्रकार के बाबा, मौलवी, औलिया, प्रीस्ट और फादरों के प्रति लोगों के कथित अंधविश्वासों से भरे वीडियो सामने आ रहे हैं। कहीं कोई सिर पटक रहा है तो कहीं कोई नाच रहा है। कोई बेहोश होकर गिर पड़ रहा है तो कहीं कोई इसी बात से अभिभूत है कि बाबा जी ने उनके भूत की घटनाएं बता दीं। यह हाल सिर्फ अपने देश का ही नहीं है। एक परिचित भारतीय पैरिस में रहते हैं। हाल ही में 22 जनवरी को चीन के नए साल की शुरुआत हुई। भारतीय मित्र ने अपने चीनी दोस्त को शुभकामनाएं दीं। बातचीत शुरू हुई तो चीनी दोस्त ने बताया कि उनके नए साल का कोई न कोई जानवर प्रतीक होता है, जैसे इस बार खरगोश का साल है। चीनी राशियों के हिसाब से हर व्यक्ति के जन्म के आधार पर कोई न कोई जानवर उसकी राशि का प्रतीक होता है। साथ ही यह भी बताया कि अगर कोई खरगोश राशि वाला व्यक्ति हुआ तो 2023 उसके लिए अपशगुनी माना जाएगा। इत्तेफाक से भारतीय मित्र की भी राशि चीनियों के हिसाब से खरगोश ही थी। अब चीनी भाई उसे डराने लगा कि अगर उसने चीन के मंदिरों में जाकर चीनी टोटके न किए तो उसका कुछ न कुछ नुकसान जरूर हो जाएगा।

यह सुनते ही भारतीय हंस पड़ा। बोला, भाई आप हमारे देश में दिवाली के पटाखों से लेकर होली की पिचकारी तक में घुसे हो। दवाइयों, बिजली के सामान, गैजट्स और जीवन से लेकर मरण तक की हर चीज में चीन हमारे बाजारों में पकड़ बनाई है। हां, अंधविश्वास एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप लोग अपने ही देश तक सीमित रहो तो अच्छा। अरे भाई, हम लोग आप के मंदिरों में क्यों जाएं, जब हमारे देश की एक बड़ी आबादी के पास अपने तैंतीस लाख देवी-देवता हैं। लाखों मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारे, मजारें और आश्रम हैं। मित्र को जोश आ चुका था। वह बोला, हम ऐसे माहौल में बड़े होते हैं, जहां घर से निकलते वक्त कोई छींक दे तो लोग यात्रा टाल देते हैं।

बिल्ली रास्ता काट दे तो रास्ता बदल देते हैं, बिना चीनी-दही खाए एग्जाम देने जाओ तो परचा बिगड़ जाता है और कुंडली में ग्रह न मिलें तो विवाह टूटना अवश्यंभावी होता है। चीनी फिर रैबिट-रैबिट करने लगा तो भारतीय बोला कि क्या रैबिट-रैबिट कर रहे हो। हमारे यहां तो अगर रात में बेचारा कुत्ता भूख या ठंड से चिल्ला रहा हो तो लोग उसे रोना करार देते हैं और अनिष्ट की आशंकाओं से ग्रस्त हो जाते हैं। लड़की मंगली हो तो दूल्हे से पहले बेचारी का किसी पेड़ या काले कुत्ते से ब्याह करने जैसे टोटके भी हैं, कुछ लोगों के। तुम चीनी लोग क्या खाकर हमारे अंधविश्वासों का मुकाबला करोगे। यहां अंतरिक्ष में उपग्रह भी भेजते हैं तो नारियल फोड़कर और राफेल भी खरीदकर लाते हैं तो उसके पहिए के नीचे से पहले नीबू कुचलवाते हैं। दिवाली की रात अगर घर में पारा हुआ काजल आंखों में न लगाओ तो अच्छे-खासे आदमी के अगले जन्म में छछूंदर होने का खतरा रहता है।

चीनी भाई अब नतमस्तक हो चुका था। बोला, भाई गलती हो गई। यह सुनकर भारतीय बोला, अरे नहीं भाई माफी की क्या बात है। हिंदी चीनी भाई-भाई, तुम लोगों ने भी अपने बहुत से अंधविश्वास छोड़े, तभी तरक्की कर पाए। हमारे नौजवान भी अब वैज्ञानिक सोच वाले हो रहे हैं। पॉजिटिव एनर्जी लाने के लिए वह कुछ टोटकों को मानते हैं, लेकिन अंधविश्वास अब धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। यह कहते हुए उसने अपने मोबाइल फोन पर चीनी को एक वीडियो दिखाया, जिसमें एक भारतीय लड़की बड़े बाबाओं और नजूमियों का दिमाग पढ़कर बता रही थी कि वह क्या सोच रहे हैं। साथ ही, यह भी कह रही थी कि यह कोई चमत्कार नहीं बल्कि ट्रिक है। चीनी आश्चर्य में डूबा था और सोच रहा था कि आखिर किस घड़ी में उसने चीनी कैलेंडर और चीनी टोटकों की बात छेड़ दी। इधर भारतीय मित्र एक हिन्दी फिल्मी गाना गुनगुना रहा था...

हम लोगों को समझ सको तो समझ लो दिलबर जानी। जितना भी तुम समझोगे, उतनी होगी हैरानी।।

सोशल मीडिया बच्चों के लिए खतरनाक

सिकुड़ रहा है मस्तिष्क

रील्स-वीडियो देखना हो या दोस्तों के साथ संपर्क में रहना हो, सोशल मीडिया आज के समय में हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। डेटा के मुताबिक 13-47 की आयु के लोगों के दिन का औसत 3-4 घंटे का समय सोशल मीडिया पर बीत रहा है। इस आदत को स्वास्थ्य विशेषज्ञ कई मामलों में सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक मानते आ रहे हैं, विशेषतौर पर बच्चों में बढ़ती यह लत काफी गंभीर हो सकती है। कुछ रिपोर्ट्स दावा कर रहे हैं कि सोशल मीडिया की लत बच्चों के मानसिक विकास को प्रभावित करने के साथ उनमें अवसाद, चिंता और नकारात्मक भावनाओं को बढ़ा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह उतनी ही नुकसानदायक लत है जितनी शराब-धूम्रपान की, इसपर सभी उम्र के लोगों को गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। कंपनियों ने योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को शिकार बनाया है। बच्चों में इसकी आदत बन गई है जिसके कई प्रकार के शारीरिक-मानसिक दुष्प्रभाव देखे जा रहे हैं।

पढ़ाई में नहीं लग रहा मन

साल 2009 से 2019 के बीच लगातार निराश और हतोत्साहित महसूस करते रहने वाले बच्चों की संख्या में 30 फीसदी का इजाफा देखा गया है। ये कंपनियां विशेषतौर पर बच्चों को आकर्षित करने वाले कंटेट प्रसारित करती हैं जिनसे उनका वॉच टाइम बढ़े, पर दूसरी तरह यह बच्चों में लत का रूप लेती जा रही है, जिसका मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो रहा है। स्कूल ने केस में कहा है, बच्चों में दिख रहे असामान्य व्यवहारिक बदलाव को देखते हुए हमें अपने पाठ्यक्रम को संशोधित करना पड़ा है, जिसमें विषय के रूप में सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को भी शामिल किया गया है। बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है। बच्चे कुतर्क करते हैं, रवैया अड़ियल हो गया है और यह उनके उम्र के साथ होने वाले मानसिक विकास को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? बच्चों में तनाव-चिंता और अवसाद के मामले भी इस वजह से तेजी से बढ़ रहे हैं।

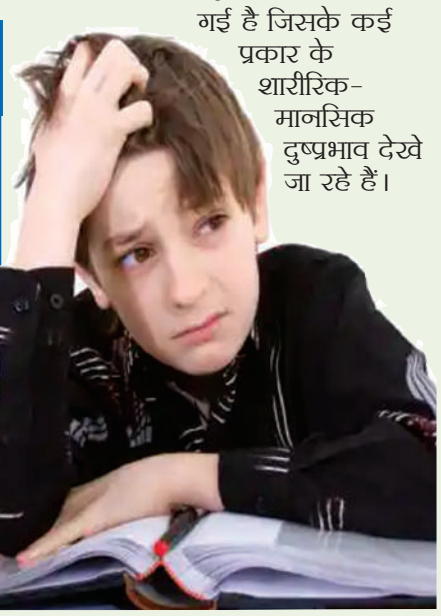

बढ़ रहा चिंता-डिप्रेशन का खतरा

किशोरों के सोशल मीडिया का इस्तेमाल के कारण अस्पतालों में चिंता, उदासी या बीमार महसूस करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। साल 2015 के कॉमन सेंस सर्वे में पाया गया कि किशोर हर दिन 9 घंटे तक ऑनलाइन सर्च में अपना समय बिता रहे हैं। साल 2017 के अध्ययन में कनाडाई शोधकर्ताओं ने पाया कि जो छात्र प्रतिदिन दो घंटे से अधिक समय तक सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, उनमें मानसिक स्वास्थ्य विकारों, विशेषकर चिंता-डिप्रेशन का खतरा अधिक हो सकता है। सोशल मीडिया का अधिक इस्तेमाल बच्चों के दिमाग को भी सिकोड़ रहा है। बच्चों में बढ़ती सोशल मीडिया की लत से बच्चों में असामान्य व्यवहार परिवर्तन देखा जा रहा है, चिड़चिड़ापन-गुस्सा, उदासी, काम में मन न लगने जैसी शिकायतें बच्चों में बढ़ रही हैं।

अभिभावक दें बच्चों पर विशेष ध्यान

बच्चे सोशल मीडिया/मोबाइल पर कम समय बिताएं, इस बात को सुनिश्चित करना हर माता-पिता के लिए जरूरी है। हालांकि इसके लिए पहले आपको स्वयं अपनी आदतों में सुधार करने की आवश्यकता है। बच्चा किस प्रकार के कंटेट देखता है, इसका उसकी मानसिक स्थिति और व्यवहार पर सीधा असर होता है। सोशल मीडिया की बढ़ती लत के कारण अप्रत्यक्षतौर पर स्क्रीन टाइम भी बढ़ रहा है, ये मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए चुनौतीपूर्ण समस्याएं हैं। मोबाइल लत न बने, इसका सभी उम्र के लोग विशेष ध्यान रखें।

हंसना मना है

डबल मीनिंग जोक्स इन हिंदी पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे, शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को.. चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है।

मास्टर जी: अगर पृथ्वी के अंदर LAVA है तो बाहर क्या है ? संजू: मास्टर जी बाहर ओप्पो और VIVO है।

सर: अंग्रेजों ने चांद पर पानी और बरफ की खोज कर ली है। बताओ इससे तुमने क्या सिखा? सांता: बस हमें अब सिर्फ दारु और नमकीन लेके जाना है!

हसबंड वाईफ में लड़ाई हुई, हसबंड घर से चला गया, हसबंड: रात को फोन पे, खाने में क्या है, वाईफ: जहर। हसबंड: मैं देर से आऊंगा, तुम खा कर सो जाना।

टीचर: सेमिस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंट: फायदे तो पता नहीं, पर बेइज्जती साल में 2 बार हो जाती है।

कहानी — मेंढक और बैल

बहुत पुरानी बात है। किसी घने जंगल में एक तालाब था, जिसमें ढेर सारे मेंढ़क रहते थे। उन्हीं में एक मेंढक अपने तीन बच्चों के साथ रहता था। वो सभी तालाब में ही रहते और खाते-पीते थे। उस मेंढ़क की सेहत अच्छी-खासी हो चुकी थी और वो उस तालाब में सबसे बड़ा मेंढ़क बन चुका था। उसके बच्चे उसे देखकर काफी खुश होते थे। उसके बच्चों को लगता कि उनके पिता ही दुनिया में सबसे बड़े और बलवान हैं। मेंढ़क भी अपने बच्चों को अपने बारे में झूठी कहानियां सुनाता और उनके सामने शक्तिशाली होने का दिखावा करता था। उस मेंढ़क को अपने शारीरिक कद-काठी पर बहुत घमंड था। ऐसे ही दिन बीतते गए। एक दिन मेंढ़क के बच्चे खेलते-खेलते तालाब से बाहर चले गए। वो पास के एक गांव पहुंचे। वहां उन्होंने एक बैल को देखा और उसे देखते ही उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। उन्होंने कभी इतना बड़ा जानवर नहीं देखा था। वो बैल को देखकर डर गए और बहुत ज्यादा हैरान हो गए। वो बैल को देखे जा रहे थे और बैल मजे से घास खा रहा था। घास खाते-खाते बैल ने जोर से हुंकार लगाई। बस फिर क्या था, मेंढ़क के तीनों बच्चे डर के मारे भागकर तालाब में अपने पिता के पास आ गए। पिता ने उनके डर का कारण पूछा। उन तीनों ने पिता को बताया कि उन्होंने उनसे भी विशाल और ताकतवर जीव को देखा है। उन्हें लगता है वो दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली जीव है। यह सुनते ही मेंढ़क के अहंकार को ठेस पहुंची। उसने एक लंबी सांस भरकर खुद को फुला लिया और कहा कि क्या वो उससे भी बड़ा जीव था? उसके बच्चों ने कहा कि हां, वो तो आप से भी बड़ा जीव था।' मेंढ़क को गुस्सा आ गया, उसने और ज्यादा सांस भरकर खुद को फुलाया और पूछा कि क्या अब भी वो जीव बड़ा था? बच्चों ने कहा कि ये तो कुछ भी नहीं, वो आपसे कई गुना बड़ा था। मेंढ़क से यह सुना नहीं गया, वह सांस फुला-फुलाकर खुद को गुब्बारे की तरह फुलाता चला गया। फिर एक वक्त आया जब उसका शरीर पूरी तरह फुल गया और वो फट गया और अहंकार के चक्कर में अपनी जान से हाथ धो बैठा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

परिवार में सुख-शांति व धार्मिक माहौल बना रहेगा। व्यापारिक गतिविधियों से अच्छा लाभ हो सकता है। आपके दिल-दिमाग में एक से ज्यादा विचार एक साथ चलते रहेंगे।

तुला

तुला राशि वाले आज ऊंचे स्तर पर रहेंगे। आपका व्यापार बहुत ही तेजी से चलेगा, इससे लाभ भी भरपूर होगा। आपको कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रह सकती है।

वृषभ

वित्तीय परिणाम उम्मीद से कम हो सकते हैं और आपको इससे निपटना होगा। सोच-समझकर निवेश करना चाहिए। काम से संबंधित यात्रा पर अमल कर सकते है।

वृश्चिक

आज आपको बहुत सारे लाभ मिल सकते हैं। किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो आप केवल बुरे परिवर्तनों को आमंत्रित कर रहें हैं।

मिथुन

आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। जीवनसाथी के सहयोग से आपको जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता मिल सकता है। आप मानसिक रुप से खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

धनु

आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहने वाला है। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है।

कर्क

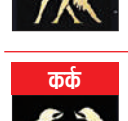

आज काम के सिलसिले में किसी यात्रा पर जा सकते हैं। आने वाले दिनों में आपकी कमाई बहुत बढ़ जाएगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा।

मकर

आज आप अपनी बड़ी से बड़ी समस्या का हल बहुत ही सरलता से कर लेंगे। आर्थिक संदर्भ में अतीत के प्रयास अब फल देंगे। आपकी सेहत में भी सुधार होगा।

सिंह

आप कुछ चुनौतियों का सामना करेंगे, लेकिन अंततः चीजें आपके पक्ष में होंगी। निवेश करने के लिए आवेगी निर्णय न लें। अपनी सेहत का ध्यान न रखें।

कुम्भ

आप जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता एव समृद्धि प्राप्त कर सकतें हैं। आप अपने वरिष्ठों से लाभ प्राप्त करेंगे और व्यवसायिक रूप से आपकी स्थिति और स्थिर हो सकती है ।

कन्या

आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। कोई पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक से लाभ दिलवा सकती है। आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा।

मीन

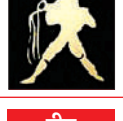

आज आपका दिन शुभ रहने वाला है। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। संतान की खुशी बनी रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड के बाद साउथ में धूम को तैयार नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड इंडस्ट्री के टैलेंटेड अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपनी दमदार एक्टिंग के दम पर दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। देश ही नहीं दुनियाभर में अपने अभिनय का सिक्का जमाने के बाद अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी साउथ इंडस्ट्री में धूम मचाने को तैयार हैं। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने आज शनिवार को सुपरस्टार वेंकटेश के साथ अपनी तेलुगू डेब्यू फिल्म सैंधव की घोषणा की। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने इंस्टाग्राम कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी फिल्म के सेट पर वेंकटेश, राणा दग्गुबाती और नागा चैतन्य और अन्य लोगों के साथ नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में वेंकटेश और नवाजुद्दीन हाथ में हाथ डाले नजर आ रहे हैं। वहीं, आखिरी तस्वीर में नवाजुद्दीन ने भगवान हनुमान के फोटो फ्रेम के सामने प्रार्थना करते दिख रहे हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए कैप्शन में बहुत कुछ खास लिखा है। उन्होंने लिखा कि-अब तक के सबसे ऊर्जावान व्यक्ति वेंकटेश दग्गुबाती की 75वीं फिल्म सैंधव के साथ कोलैबोरेट करना बहुत ही शानदार है। यह फिल्म शैलेश कोलानू बना रहे हैं। तेलुगु डेब्यू करने जा रहा हूं। वहीं दूसरी ओर शैलेश ने भी ट्विटर पर नवाजुद्दीन के साथ एक फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, देश में हमारे पास सबसे अच्छे अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी को पाकर बहुत उत्साहित हूं। सैंधव एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें वेंकटेश लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म निहारिका एंटरटेनमेंट बैनर के तले वेंकट बोयानापल्ली द्वारा निर्मित की जाएगी। फिल्म में संतोष नारायणन संगीत देंगे।

ट्विटर पर भिड़ीं कंगना रनौत और उर्फी जावेद

जबसे कंगना रनौत की ट्विटर पर वापसी हुई वो झांसी की रानी बनकर अपने ट्वीटों की मदद से बॉलीवुड से पंगा लेने के लिए फिर एक बार चल पड़ी हैं। कंगना रनौत ने इस बार तो हद ही पार कर दी। ट्वीट करते हुए लिखती हैं कि इस देश ने सिर्फ खानों को ही प्यार दिया है। आगे लिखती हैं कि लोग हमेशा से ही मुस्लिम अभिनेत्रियों को लेकर पागल रहते हैं। उनका ये कहना ही था कि उर्फी जावेद की सटक गई और उन्होंने जाकर कंगना से पंगा ले लिया। कंगना रनौत और उर्फी जावेद अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। एक तरफ उर्फी जावेद हैं जो अपनी बोल्डनेस और अतरंगी कपड़ों की वजह से जानी जाती हैं और दूसरी तरफ हैं कंगना जो अपनी बोल्ड स्टेटमेंट्स की वजह से फेमस हैं। 28 जनवरी को कंगना रनौत ने एक ट्वीट को कोट किया और लिखती हैं कि क्या कमाल का एनालिसिस है... इस देश ने सिर्फ और सिर्फ खानों को प्यार किया। अभी भी सिर्फ खान ही खान हैं। क्या बंटवारा है आगे कंगना लिखती हैं कि लोग भी मुस्लिम एक्ट्रेसेस के लिए पागल रहते हैं। देश पर जो लोग नफरत और फासिज्म का आरोप लगाते हैं वो बिलकुल गलत है। दुनिया में भारत सा कोई भी नहीं। उर्फी जावेद कैसे चुप रहती लिखती हैं कि ये कैसा बंटवारा है, मुस्लिम एक्टर्स, हिंदू एक्टर्स। कला धर्म में नहीं बंटती। यहां सभी सिर्फ एक्टर्स हैं। कंगना ने उर्फी को इसका जवाब भी दे डाला। कंगना रनौत आगे उर्फी जावेद के लिए लिखती हैं हां मेरी प्यारी उर्फी अगर तुम जो कह रही हो वो होता तो ये दुनिया एक आदर्श दुनिया होती। ये तभी मुमकिन होगा जब इस देश मेंयूनिफॉर्म सिविल कोड आएगा। जब तक ये देश संविधान से बंटा हुआ है ये बंटा ही रहेगा। आगे कंगना रनौत ने 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यूनिफॉर्म सिविल कोड की मांग की है।

बॉलीवुड | मसाला

गुरु रंधावा संग कपिल शर्मा शुरू करेंगे नई पारी की शुरुआत

कॉमेडी के किंग कहे जाने वाले कपिल शर्मा ने दुनियाभर के लोगों के दिलों में अपने लिए एक खास जगह बनाई है। उनकी शानदार कॉमेडी का ही नतीजा है कि लोग उन्हें बेहद प्यार करते हैं। वह किसी को भी हंसने पर मजबूर कर देते हैं। वैसे, कॉमेडी का साथ-साथ उन्होंने अपनी एक्टिंग की कला भी दर्शकों को खूब दिखाई है। इस बार कपिल का फिर से नया रंग देखने को मिल रहा है। दरअसल, अब कपिल एक सिंगर के तौर पर दिखाई देंगे। हाल ही में एक खबर का ऐलान हुआ है कि कपिल शर्मा अब सिंगिंग की दुनिया में कदम रखने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। उनके पहले गाने का एक पोस्टर और रिलीज डेट भी सामने आ चुका है। कपिल को कई बार अपने शो द कपिल शर्मा शो में जादुई अपनी से लोगों को मदहोश करते हुए देखा जा चुका है। हालांकि, इस बार वह ऑफिशियली एक सिंगर के तौर पर पूरी दुनिया के सामने पेश हो रहे हैं। कपिल को इस सिंगिंग करियर की शुरुआत में उन्हें मशहूर सिंगर और रैपर गुरु रंधावा का साथ मिला है। गुरु रंधावा ने भी कपिल के पहले गाने, जिसे अलोन टाइटल दिया गया है, का पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में गुरु और कपिल दोनों ही सनग्लासेस लगाए हुए काफी स्वैग में खड़े नजर आ रहे हैं। गुरु ने इसके साथ कैप्शन में लिखा, हम आपके साथ अलोग शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। हम दुनिया को कपिल पाजी का डेब्यू सॉन्ग सुनाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। गुरु रंधावा ने कैप्शन में गाने की रिलीज डेट भी बताई है। उन्होंने लिखा कि यह गाना 9 फरवरी को रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। इस गाने में कपिल के साथ गुरु रंधावा ने भी आवाज दी है। अब कपिल का ये गाना सुनने के लिए उनके चाहने वाले अभी से काफी उत्साहित हो गए हैं। पोस्टर जारी होने के बाद फैंस को ये इंतजार और लंबा लगने लगा है। वहीं कई मशहूर हस्तियों ने भी इस पोस्टर पर गाने के लिए खुशी जाहिर की है।

अजब-गजब | आज तक कोई नहीं जान पाया इनका रहस्य

हवा में उड़ता रहता है इस वाटर पार्क का पानी, एक बूंद भी नहीं गिरता जमीन पर

नेचर लवर्स को वॉटरफॉल देखना काफी पसंद होता है। ऊंचाई से गिरते पानी की आवाज और उसकी खूबसूरती मन मोहने वाली होती है। आमतौर पर वॉटरफॉल का पानी गुरुत्वाकर्षण के कारण ऊपर से नीचे की ओर बहता है, लेकिन क्या आपने ऐसा वॉटरफॉल देखा है जहां पानी ऊपर से नीचे नहीं गिरता बल्कि हवा में ही रहता है?

आप जानकर हैरान होंगे कि देश में ही ऐसी जगह है जहां विज्ञान का गुरुत्वाकर्षण नियम लागू नहीं होता। यह दुर्लभ नजारा दिखता है महाराष्ट्र के रांगणा किले में। यहां हवाएं इतनी तेज गति से चलती हैं कि वॉटरफॉल से गिरने वाला पानी जमीन पर ना आकर हवा में ही उड़ने लगता है। ये नजारा वाकई बहुत खूबसूरत होता है। यह जगह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से 120 किलोमीटर दूर है और कोई भी यहां जा सकता है। नानेघाट में यह वॉटरफॉल चारों ओर पहाड़ और हरियाली से घिरा हुआ है जिसकी सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करती है। पर्यटक यहां दूर-दूर से आते हैं और इस जगह की प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही पानी को नीचे से ऊपर की ओर बहते देखकर हैरान रह जाते हैं। मानसून के दौरान इस वॉटरफॉल को देखने में और मजा आता है क्योंकि तब पानी की रफ्तार काफी तेज होती है। बता दें कि रांगणा किला कोल्हापुर जिले की सीमा पर सह्याद्री पर्वत पर मौजूद है। यहां कई वॉटरफॉल गिरते हैं, पर ये वॉटरफॉल इतना खूबसूरत है कि यहां एक बार जाने के बाद वहां से वापस आने का मन नहीं करता। इसकी सुंदरता ना सिर्फ हमें मंत्रमुग्ध करती है बल्कि देखने वाले पानी को हवा में तैरते देखकर हैरान रह जाते हैं।

ट्विटर पर यह वीडियो @weirdterrifying एकाउंट से शेयर किया गया है। इसे अब तक करीब चार लाख बार देखा जा चुका है। 15 हजार लोगों ने इसे लाइक किया है और लगभग तीन हजार लोगों ने इसे रीट्वीट किया है। यूजर्स इस पर मजेदार कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा, ऐसा होने के लिए 300 मील प्रति घंटे हवा की रफ्तार होनी चाहिए। तमाम लोगों ने अमेजिंग इंडिया लिखा है तो कई लोगों ने प्यार भरे इमोजी शेयर किए हैं।

इस शिवलिंग पर चढ़ाने के बाद बदल जाता है दूध का रंग

भारत के बारे में कहा जाता है कि यहां हर पांच कोस के बाद पानी बदलता है और हर पांच कोस के बाद भाषा बदलती है। देश के हर गांव आपको तकरीबन एक मंदिर तो मिल ही जाएगा। सभी मंदिरों का अपना कुछ न कुछ पौराणिक महत्व है। इसमें से कई मंदिरों को चमत्कारिक मंदिर कहा जाता है। इन मंदिरों के चमत्कार का जवाब वैज्ञानिक आज तक नहीं खोज पाए है।एक ऐसा ही मंदिर केरल में स्थित है। जिसके चमत्कार के चर्चे देश नहीं बल्कि पूरे विश्व में हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के कीजापेरूमपल्लम गांव में स्थित है। नागनाथस्वामी मंदिर को केति स्थल के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर कावेरी नदी के तट पर स्थित है। आपको जानकर हैरानी होगी कि मंदिर में जब श्रद्धालुओं द्वारा शिवलिंग पर दूध चढाया जाता है तो उसका रंग देखते ही देखते नीला हो जाता है। सबसे आश्चर्य की बात है कि इसके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया है। लोगों को समझ ही नहीं आता कि आखिर ऐसा क्यों होता है। हालांकि यह हमेशा देखने को नहीं मिलता। मान्यता है कि जो लोग केतु ग्रह के दोष से पीड़ित होते हैं, सिर्फ उनके द्वारा ही जो दूध चढ़ाया जाता है उसका ही रंग नीला होता है। बाद में ये रंग फिर से सफेद हो जाता है।

रानी इस बात की है कि वैज्ञानिक भी आज तक यह नहीं जान पाए हैं कि आखिर दूध का रंग नीला क्यों हो जाता है। सबसे हैरानी की बात है कि यह वापस से सफेद रंग का कैसे हो जाता है, इसके बारे में भी वैज्ञानिक नहीं जान पाए हैं। इस मंदिर में दूध चढ़ाने के बाद उसका रंग बदलने को लोग चमत्कार कहते हैं। मंदिर में लोग काफी दूर से दर्शन करने आते हैं। मंदिर से जुड़ी एक मान्यता भी है। माना जाता है कि एक बार महान ऋषि के श्राप से मुक्ति के लिए केतु ने भगवान शिव की आराधना की थी। इसके बाद केतु की तपस्या से खुश होकर भगवान शिव ने शिवरात्रि के दिन केतु को श्राप से मुक्ति दी थी। इसके बाद से ही केतु को समर्पित इस मंदिर मे भगवान शिव का भी माना जाता है।

आलोचना से सीख लेती हूं, नहीं करती पलटवार : ममता बनर्जी

» राज्य सरकार भाजपा के निशाने पर है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मैं बहुत ही मामूली इंसान हूं, आलोचना से सीख लेती हूं। दरअसल ममता बनर्जी बुक फेयर उद्घाटन समारोह पर वक्तव्य रख रहीं तभी वहां उन्होंने आलोचना के बारे में टिप्पणी की। गौरतलब है कि विभिन्न कारणों से राज्य सरकार विपक्ष के निशाने पर है। पंचायत चुनाव से पहले, दीदी के दूत को जिलों में विरोध का सामना करना पड़ रहा है। वहीं शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार भी राह में कांटा साबित हो रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की यह टिप्पणी राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में बहुत महत्वपूर्ण है।

ममता बनर्जी ने कहा, कि कोई भी सरकार और कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं है। मैं बहुत मामूली इंसान हूं। तीखी आलोचना, गलत प्रचार के बीच हर चीज हर किसी को पसंद नहीं होती। मैं आलोचना से ऊपर नहीं हूं। ममता बनर्जी ने कहा उन्होंने इस आलोचना से काफी कुछ सीखा है। ममता ने कहा कि खुद की आलोचना सुनकर मुझे खुशी होती है। क्योंकि मैं आलोचना से सीख सकती हूं। इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है? जब कोई तुम्हें बुरा कहे, तो तुम भी पलटकर वैसा न कहो। यही हमारी शिक्षा है।

राष्ट्रपति मुर्मू टिप्पणी मामले में याचिका से हटा ममता का नाम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कुछ दिनों पहले राज्य के मंत्री अखिल गिरि की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बारे में टिप्पणी के खिलाफ जनहित याचिका दायर की गई थी। उस मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम भी शामिल था। हालांकि, कलकत्ता हाईकोर्ट ने जनहित मामले से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम हटा दिया। सूत्रों के मुताबिक सोमवार को मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज की डिवीजन बेंच ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस घटना में किसी भी तरह से शामिल नहीं हैं। नतीजतन कोर्ट इस मामले में मुख्यमंत्री को शामिल करने का कोई कारण नहीं देखता है। इसी वजह से आज दायर जनहित याचिका से तृणमूल सुप्रीमो का नाम हटा दिया गया।

आरजेडी नागालैंड में लड़ेगी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जेडीयू के साथ सत्ता संभाल रही आरजेडी ने दूसरे राज्यों में भी अपनी उपस्थिति को लेकर कवायद तेज कर दी है। इसी के मद्देनजर पार्टी ने नागालैंड विधानसभा चुनाव में दावेदारी का फैसला लिया है। नागालैंड में अगले महीने यानी फरवरी में विधानसभा चुनाव हैं। आरजेडी 6 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक ने इस बात की जानकारी दी है।

श्याम रजक ने कहा कि नागालैंड चुनाव में पार्टी ने 6 नामों को अंतिम रूप दिया गया है। हालांकि अभी नामों की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। इस सिलसिले में पार्टी के कुछ नेता जल्द ही उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात करेंगे। तेजस्वी यादव का फैसला अंतिम होगा। श्याम रजक ने कहा कि अगर हम 6 सीटों पर अच्छा प्रदर्शन कर पाएं, तो हम कुछ और सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

अमरावती सांसद नवनीत राणा के पिता भगोड़ा घोषित

» कोर्ट ने दोनों पर जुर्माना भी लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने लोकसभा सदस्य नवनीत राणा और उनके पिता के खिलाफ फर्जी जाति प्रमाण-पत्र मामले की सुनवाई स्थगित करने की मांग करने पर एक-एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया। कई बार तलब किए जाने के बावजूद कोर्ट में पेश नहीं होने के लिए अदालत ने अमरावती की सांसद के पिता को भगोड़ा घोषित किया। राणा और उनके पिता पर जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप है, क्योंकि अमरावती सीट अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए रिर्जव है।

मामला सोमवार को अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट पीआई मोकाशी के सामने सुनवाई के लिए लिस्टेड था। नवनीत राणा के वकील के एक सहायक ने यह कहते हुए स्थगन की मांग की कि उनके वरिष्ठ एक मामले की सुनवाई के सिलसिले में हैदराबाद की अदालत में हैं। इसके बाद कोर्ट ने वकील को फटकार लगाई और प्रत्येक आरोपी पर एक-एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया। मजिस्ट्रेट ने गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद नवनीत राणा के पिता के कभी कोर्ट में पेश नहीं होने पर उन्हें भगोड़ा करार दिया। मुंबई के मुलुंड पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, राणा और उसके पिता ने जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेज बनाए थे, क्योंकि अमरावती सीट अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए रिर्जव है।

दादा-दादी एवं नाना-नानी के साथ बच्चों ने मचाई धूम

» सेंट्रल एकेडमी इंदिरा नगर में ग्रैंड पेरेंट्स डे का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सेंट्रल एकेडमी की इंदिरा नगर शाखा में रविवार को ग्रैंड पेरेंट्स डे का आयोजन धूमधाम से किया गया। परिवार के बुजुर्ग बच्चों के दादा-दादी एवं नाना-नानी किसी भी परिवार की मजबूत आधारशिला होते हैं। सभी लोग कार्यक्रम के प्रारंभ होने से पूर्व ही अति उत्साह के साथ विद्यालय प्रांगण में एकत्रित होने लगे थे। इस अवसर पर सेंट्रल एकेडमी विद्यालय के चेयरमैन डॉक्टर संगम मिश्रा यूपी रीजन के डायरेक्टर मिस्टर हरीश पांडे, एडमिनिस्ट्रेटर श्रीमती वीणा पांडे एवं अन्य शाखाओं की प्रधानाचार्य उपस्थिति रहे।

मुख्य अतिथि एडीसीपी जया शांडिल्य ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती श्वेता तिवारी ने एकत्रित जनसभा में घर के बड़े बुजुर्गों के महत्व को उजागर किया। नर्सरी केजी एवं प्रेप के बच्चों ने अनेकता में एकता का भाव बनाए रखते हुए अनेक नृत्य एवं गायन के साथ-साथ लघु नाटिका भी प्रस्तुत की छोटे-छोटे बच्चों द्वारा किए गए अथक प्रयासों एवं सुंदर प्रस्तुतियों ने सभी का मनमोह लिया। चेयरमैन सर डॉक्टर संगम मिश्रा ने आशीर्वचन द्वारा बच्चों के जीवन में बड़े बुजुर्गों की भूमिका के महत्व को प्रतिपादित किया। कार्यक्रम का अंत मैं वाइस प्रिंसिपल श्रीमती लवीना गौण ने आए हुए सभी अतिथियों का एवं कार्यक्रम को सफल बनाने का श्रेय सेंट्रल एकेडमी परिवार को देते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रदेश में तीन दिन सुहाना रहेगा मौसम

» हवा बढ़ाएगी ठंड, वर्षा की भी संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के बाद प्रदेश भर में मंगलवार की सुबह छिटपुट बारिश और हल्की धूप के साथ सुबह की शुरुआत हुई। आज भी कानपुर, हरदोई, उन्नाव, आगरा, अलीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में में हुई छिटपुट बारिश से मौसम में गर्मी का एहसास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले तीन दिनों तक मौसम सुहाना रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एम दानिश के अनुसार, सोमवार को भी बारिश के बाद अब गुरुवार तक मौसम में कुछ खास परिवर्तन नहीं होंगे।

ठंडी हवाओं का असर बना रह सकता है। आठ से 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हवाओं के कारण दिन में सिहरन हो सकती है। दो फरवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। यह ईरान और अफगानिस्तान से होते हुए देश में दस्तक देगा लेकिन इसका असर प्रदेश में नहीं पड़ेगा। पश्चिमी हिमालय क्षेत्रों से होते हुए इस पश्चिमी विक्षोभ से कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के आसार हैं। सोमवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया प्रदेश भर में बादलों की आवाजाही ने तापमान में अधिक बढ़ोतरी नहीं होने दे सबसे अधिक तापमान बस्ती में 26 डिग्री सेल्सियस और प्रयागराज में 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान में भी आमूलचूल परिवर्तन ही दर्ज हुए सबसे कम तापमान अयोध्या और फुरसतगंज में 7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, मंगलवार को लखनऊ और आसपास के जिलों में सुबह के समय हल्की से मध्यम कोहरा रह सकता है। दिन के समय धूप निकलने से मौसम साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हो सकता है।

राजनीतिक और सैन्य रूप से सक्षम होंगे तभी शांति संभव : राष्ट्रपति

संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में पहला अभिभाषण दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्कहह्ह

नई दिल्ली। आज से संसद के बजट सत्र की शुरुआत हो गई है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आज संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपना पहला अभिभाषण दिया। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण के दौरान सरकार की कई उपलब्धियों की चर्चा कीं। उन्होंने केंद्र सरकार को निडर और देशहित को सर्वोपरि रखने वाली सरकार बताया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि शांति तभी संभव है, जब आप राजनीतिक और सैन्य रूप से सक्षम होंगे, इसलिए भारत अपनी सैन्य शक्ति को भी आधुनिक करने पर जोर दे रहा है। पूरी दुनिया इस वक्त भारत की ओर उम्मीद से देख रही है। भारत का लोकतंत्र हमेशा से समृद्ध था।

राष्ट्रपति ने कहा कि अफगानिस्तान और यूक्रेन जैसे देशों में संकट में फंसे अपने नागरिकों को वापस लेकर आए हैं। भारत ने आतंकवाद को लेकर जो कड़क रुख अपनाया है, उसे भी आज दुनिया समझ रही है। इसलिए आतंक के विरोध में भारत की आवाज को हर मंच से गंभीरता से सुना जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि सुगम्य योजना से भारत के दिव्यांगों को लाभ हुआ है। भारत में सरकार की योजनाओं का असर वृहद हुआ है। आज युवा इनोवेशन में ताकत दिखा रहे हैं। देश में स्टार्टअप की संख्या 90 हजार के पार हो गई है। अग्निवीर योजना से भी युवाओं को फायदा होगा।

मुर्मू ने कहा कि बीते 8 सालों में देश में मेट्रो नेटवर्क में तीन गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने का कि देश के कोने कोने से भारत की प्रतिभाओं को निखारने और निकालने के लिए खेल इंडिया गेम्स का भी आयोजन कर रही है। हमारी सरकार दिव्यांगों को लेकर भी सक्रिय है और साइन लैंग्वेज पर भी काम कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में देश पंच प्राणों की प्रेरणा से आगे बढ़ रहा है। गुलामी के हर निशान, हर मानसिकता से मुक्ति दिलाने के लिए भी मेरी सरकार निरंतर प्रयासरत है। जो कभी राजपथ था, वह अब कर्तव्यपथ बन चुका है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की सफलता आज हम देख रहे हैं

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की सफलता आज हम देख रहे हैं। देश में पहली बार पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक हुई है एवं महिलाओं का स्वास्थ्य भी पहले के मुकाबले और बेहतर हुआ है। यह सुनिश्चित किया है कि किसी भी कार्यक्षेत्र में महिलाओं के लिए कोई बंदिश न हो।

हमारी विरासत हमें जड़ों से जोड़ती है : द्रोपदी मुर्मू

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारी विरासत हमें जड़ों से जोड़ती है और हमारा विकास आसमान को छूने का हौसला देता है। इसलिए मेरी सरकार ने विरासत को मजबूती देने और विकास को प्राथमिकता देने की राह चुनी है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मेड इन इंडिया अभियान और आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता का लाभ देश को मिलना शुरु हो चुका है। आज भारत में मैन्युफेक्च रिंग की अपनी कैपेसिटी भी बढ़ रही है और दुनिया भर से भी मैन्युफेक्चरिंग कंपनियां भारत आ रही हैं। उन्होंने कहा कि आज अंडमान निकोबार में हमने सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज को सम्मान दिया था। हाल ही में मेरी सरकार ने नेताजी पर भव्य म्यूजियम का उद्घाटन भी किया है। परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर अंडमान के द्वीपों का नामकरण भी किया है। आज हमारी नौसेना को भी छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रतीक दिया गया है। अब देश में आधुनिक संसद भवन भी बन रहा है। एक तरफ हम आदि शंकराचार्य, भगवान बसवेश्वर, गुरुनानक देव जी के दिखाए रास्तों पर बढ़ रहे हैं, तो दूसरी तरफ भारत टेक्नोलॉजी का हब भी बनता जा रहा है। आज भारत अपनी पुरातन विधाओं को पूरी दुनिया में पहुंचा रहा है, तो वहीं फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड बन कर दुनिया की मदद भी कर रहा है।

फ्लाइट में महिला ने उतारे कपड़े

- अबु धाबी से मुंबई आ रहा था विमान
- क्रू मेंबर को मारा मुक्का, गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अबु धाबी से मुंबई आ रही विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट(यूके-256) में उस समय हंगामा मच गया, जब इटली की रहने वाली एक महिला ने फ्लाइट में कपड़े उतार दिए और इधर-उधर घूमने लगी। रोकने पर महिला ने क्रू मेंबर्स से बदसलूकी की और हाथापाई पर भी उतारू हो गई।

मुंबई में फ्लाइट लैंड होते ही क्रू मेंबर की शिकायत पर महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इटली रहने वाली महिला की पहचान पाओला पेरुशियो के रूप में हुई है। फ्लाइट में वह नशे में थी। उन्होंने बताया, आरोपी महिला के खिलाफ जांच पूरी करने के बाद चार्जशीट दाखिल की गई है। उस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है, जिसके बाद महिला को जमानत दे दी गई है।

महिला को सीट से बांधा गया

महिला के इस तरह के व्यवहार से फ्लाइट में हंगामा मच गया। इसके बाद कैप्टन के निर्देश पर क्रू मेंबर ने महिला को पकड़ा और उसे कपड़े पहनाए। महिला को एक सीट से बांध दिया गया और फ्लाइट के लैंड होने पर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस मामले में विस्तारा एयरलाइंस की ओर से भी बयान जारी किया है।

फोटो :4 पीएम

पोस्टरवार स्वामी प्रसाद मौर्या के समर्थन में समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर लगाया गया बड़ा पोस्टर 'गर्व से कहो हम शुद्र हैं'।

सीएम केजरीवाल को मिली जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गोली मारने की धमकी मिलने पर पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आनन-फानन जांच शुरू कर दी। जांच में पता चला है कि आरोपी दिल्ली के मुंडका इलाके का रहने वाला है। आरोपी ने दिल्ली के सीएम को फोन पर धमकी दी थी, जिसके चलते आरोपी को ट्रेस किया जा सका।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस उससे पूछताछ करने का प्रयास कर रही है कि उसने धमकी क्यों दी। जानकारी के अनुसार आरोपी दिल्ली गेट स्थित एक आई सेंटर में नर्सिंग अर्दली का काम करता है। उसका इलाज मानसिक रोग विशेषज्ञ के पास चल रहा है। पुलिस आरोपी से पूछताछ की कोशिश तो कर रही है लेकिन अब कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर रफ्तार का कहर, चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में पालघर जिले के दहानू इलाके में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर एक कार और बस के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कई लोग घायल हुए हैं, पालघर पुलिस ने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ जब कार गुजरात से मुंबई जा रही थी। कार चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस में टक्कर मार दी।

शुरुआती रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कार मुंबई की ओर जा रही थी। लगभग 3.30 बजे जब कार चरोटी में महालक्ष्मी मंदिर के पास हाईवे पर पहुंची

- कार और बस के बीच जबर्दस्त भिड़ंत से हुआ हादसा

तो माना जा रहा है कि कार चालक ने लेन बदल ली थी। उसी दौरान कार ने लग्जरी बस को टक्कर मार दी। हादसे में चालक समेत कार सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि पीड़ितों की पहचान की जा रही है।

चरोटी के पास इस साल का दूसरा हादसा

चरोटी और उसके आसपास इस साल यह दूसरी दुर्घटना है। 8 जनवरी को नालासोपारा के एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई थी, जिसमें एक बच्चा भी शामिल था। उस दौरान उनकी कार महालक्ष्मी मंदिर के पास एक कंटेनर ट्रक से टकरा गई थी। वहीं, टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की पिछले साल चार सितंबर को चारोटी के निकट राजमार्ग पर एक दुर्घटना में मौत हो गई थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।